DEPARTMENT OF SANSKRIT,
PALI, PRAKRIT & ORIENTAL LANGUAGES
UNIVERSITY OF ALLAHABAD

PROF. PRAYAG NARAYAN MISHRA **Cell : 9415171430**
Professor & Head **Email : drprayag9415@gmail.com**

समकक्ष समीक्षित शोधपत्रिका (Peer Reviewed Research Journal)

"प्राच्यप्रभा" में शोध-पत्र प्रकाशन हेतु आमन्त्रण

आदरणीय विद्वज्जन,

सादर निवेदन है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग द्वारा समकक्ष समीक्षित शोधपत्रिका (Peer Reviewed Research Journal) "प्राच्यप्रभा" (ISSN 2277-565X) के संयुक्ताङ्क को प्रकाशित किये जाने की योजना है। इस सन्दर्भ में संस्कृत साहित्य, दर्शन, वेद, व्याकरण, ज्योतिष, भारतीय ज्ञान परम्परा, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि विषयों से सम्बद्ध मौलिक शोध-पत्र आमन्त्रित हैं। शोध-पत्र संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी भाषा में, अधोलिखित निर्देशों के अनुसार, **दिनाङ्क 31 अक्टूबर 2024 तक PDF एवं MS Word रूप में prachyaprabha2024@gmail.com** पर प्रेषित किए जा सकते हैं।

शोध-पत्र प्रकाशन हेतु नियमावली एवं निर्देश

- **प्रकाशन-प्रविधि**

शोध-पत्र केवल मूल्याङ्कन के पश्चात् ही प्रकाशित किए जाएंगे । अतः शोध-पत्र पूर्णतः मौलिक, प्रामाणिक, तथ्यपरक तथा शोध नैतिकता के अनुरूप होना चाहिए। लेखक को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका शोध-पत्र साहित्यिक चोरी (Plagiarism) से मुक्त है।

- **सन्दर्भ एवं प्रमाण**

शोध-पत्र में सम्यक् निष्कर्ष की पुष्टि हेतु न्यूनतम 20 सन्दर्भ अथवा प्रमाणों का समावेश अनिवार्य है । शोधपत्र मे प्रयुक्त सन्दर्भ एवं टिप्पणियाँ शोध-पत्र के अन्त में ही (Endnotes के रूप मे) स्पष्टतः प्रदत्त हों, जिसमें पुस्तक का नाम, लेखक, प्रकाशक, संस्करण आदि का विवरण हो ।

- **सारांश एवं कूटशब्द**

शोध-पत्र के आरम्भ में सङ्क्षिप्त सारांश (Abstract) एवं कूटशब्द (Keywords) का उल्लेख अवश्य करें।

- **शब्दसीमा तथा फाण्ट (आकार)**

शोध-पत्र 2000 से 3500 शब्दों के मध्य होना चाहिए । हिन्दी तथा संस्कृत मे लिखित शोधपत्रों मे यूनिकोड (Unicode) फाण्ट का प्रयोग किया जाये जिसमें शीर्षक का फॉन्ट 16, लेखक का नाम तथा विवरण 15, लेख 14, पाद टिप्पणियाँ 12 आकार में टङ्कित होना चाहिए । अंग्रेज़ी शोध-पत्रों के लिए : Times New Roman फॉन्ट का प्रयोग हो , शीर्षक 14, लेखक का नाम एवं विवरण 13, लेख 12, पाद टिप्पणियाँ 10 आकार में टङ्कित होनी चाहिए।

सधन्यवाद !

प्र. ना. मिश्र

दिनाङ्क : 01/10/2024

(प्रो.प्रयाग नारायण मिश्र)
आचार्य तथा अध्यक्ष
संस्कृत विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
प्रयागराज